व्यापार योजना

आय सृजन गतिविधि - सिलाई व कटाई

स्वयं सहायता समूह सिलाई व कटाई - जय माता दी बागना

स्वयं सहायता समूह /**सामान्य रुचि समूह**	::	जय माता दी बागना
ग्राम वन विकास समिति	::	बागना
वन परिक्षेत्र	::	**नेरवा**
वन विभाग	::	**चौपाल**

वित पोषित :

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका के सुधार के लिए परियोजना (जाइका सहायता प्राप्त)

सामग्री तालिका

क्रमांक.	विवरण	पृष्ठ/
1.	पृष्ठभूमि	3
2.	**स्वयं सहायता समूह/ सामान्य रुचि समूह का विवरण**	3
3.	लाभार्थियों का विवरण:	4
4.	गांव का भौगोलिक विवरण:	4
5.	प्रबंधन	4
6.	ग्राहक	5
7.	केंद्र का लक्ष्य	5
8.	इस व्यवसाय को शुरू करने का कारण	5
9.	SWOT विश्लेषण	5
10	व्यवसाय योजना - विभिन्न चरणों	6
11	**ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ पहल / कदम**	6
12.	सिलाई व कटाई व्यवसाय का विपणन विश्लेषण	6
13.	व्यावसायिक लक्ष्य	6
14.	वित्तीय पूर्वानुमान / अनुमान	6
15.	अर्थशास्त्र का विवरण:	7
16.	आय अनुमान:	7
17.	आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):	8
18.	समूह में निधि प्रवाह:	8
19.	धन और खरीद के स्रोत:	9
20.	प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन	9
21	ऋण चुकौती अनुसूची	9
22	निगरानी विधि	9
23.	समूह के सदस्यों की फ़ोटो	10

पृष्ठभूमि

स्वयं सहायता समूह जय माता दी बागना द्वारा सिलाई व कटाई समुह ग्राम बागना डाकघर **नेरवा** तहसील **नेरवा** जिला शिमला में स्थित है। वार्ड बागना में कुल परिवार 51 हैं और ग्राम वन विकास सोसाइटी बागना में 2 गांव हैं जिन्की आवश्यकता यह सिलाई व कटाई सेंटर पूरा करेगा। यह केंद्र उत्कृष्ट सेवा प्रदान करेगा और ग्राहकों को मार्गदर्शन करेगा कि उन्हें उत्पाद प्रदान करने के लिए सबसे अच्छा क्या है जो उनके लिए संतुष्टि और आराम के उच्चतम स्तर को चिह्नित करता है।

1. स्वयं सहायता समूह सामान्य/ रुचि समूह का का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह/ **सामान्य रुचि समूह का** नाम	::	**स्वयं सहायता समूह** सिलाई व कटाई बागना
2.2	ग्राम वन विकास समिति	::	बागना
2.3	**वन परिक्षेत्र**	::	**नेरवा**
2.4	**वन विभाग**	::	**चौपाल**
2.5	गाँव	::	बागना
2.6	**खंड**	::	खद्दर
2.7	जिला	::	**शिमला**
2.8	स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	08 - महिलाएं
2.9	गठन की तिथि	::	14-07-2021
2.10	बैंक खाता संख्या	::	42710124426
2.11	बैंक विवरण	::	एचपीएससीबैंक नेरवा
2.12	स्वयं सहायता समूह / सामान्य ब्या **रुचि** समूह मासिक बचत	::	100
2.13	कुल बचत		1600 /-
2.14	कुल अंतर-ऋण		-
2.15	नकद ऋण सीमा		--
2.16	पुनर्भुगतान स्थिति		--

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम	पिता / पति का नाम	उम्र	शिक्षा	वर्ग	आय स्रोत	पता	संपर्क नंबर
1.	रमा देवी (अध्यक्ष)	W/o ओम प्रकाश	38	B.A	सामान्य	कृषि	गांव बगना	9805154571
2.	रेखा देवी (उपाध्यक्ष)	W/o गोपाल सिंह	34	10+2	सामान्य	कृषि	गांव बगना	9805127299
3.	आशा देवी (सचिव)	W/o श्यामसिंह	46	10th	सामान्य	कृषि	गांव बगना	8629048562
4.	बनिता देवी	W/o आत्मा राम	36	10th	सामान्य	कृषि	गांव बगना	9816796994
5.	उपमा देवी	W/o सुरेंद्र	35	12th	सामान्य	कृषि	गांव बगना	9805860177
6.	सुदर्शना देवी	W/o सुरेश	33	B.A	सामान्य	कृषि	गांव बगना	8894450732
7.	सीमा देवी	W/o नारायण	34	5th	सामान्य	कृषि	गांव बगना	7876858597
8.	रमला देवी	w/o देई राम	50	5th	सामान्य	कृषि	गांव बगना	9805018178

3. गांव का भौगोलिक विवरण:

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	135 किमी
3.2	मेन रोड से दूरी	::	11 किमी
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	नेरवा, 13 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	नेरवा, **चौपाल** , 13 किमी और 37 किमी
3.5	मुख्य शहर का नाम और दूरी	::	शिमला 135 किमी
3.6	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	::	नेरवा , **चौपाल**

4. प्रबंधन

स्वयं सहायता समूह जय माता दी बागना द्वारा सिलाई व कटाई सेंटर में 08 महिला सदस्य हैं और उनके पास व्यक्तिगत सिलाई मशीनें होंगी और वे अपनी योजना को निष्पादित करने और सामूहिक तरीके से काम करने के लिए गांव में एक कमरा किराए पर लेंगे। केंद्र में वास्तविक कार्य शुरू होने से पहले सभी सदस्यों को कुछ पेशेवर प्रशिक्षकों के तहत काटने और सिलाई में प्रशिक्षण देने के लिए एक अल्पकालिक कैप्सूल पाठ्यक्रम प्रदान किया जाएगा।

5. ग्राहक

इस केंद्र के प्राथमिक ग्राहक में से अधिकतर महिलाएं गांव बागना और बागना के आसपास कुछ कपड़ा व्यापारी होंगे. लेकिन बाद में इस व्यवसाय को पास के छोटे टाउनशिप में समाजी खाना द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

6. केंद्र का लक्ष्य

केंद्र का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से बागना गांव के निवासियों और आस-पास के गांवों के अन्य सभी निवासियों को अद्वितीय आधुनिक और उच्च श्रेणी की सिलाई सेवाएं प्रदान करना है।

यह केंद्र आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध स्टिचिंग केंद्र बनने के लिए तैयार है।

7. इस व्यवसाय को शुरू करने का कारण

इस स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के पूर्व अनुभव के कारण जो पहले से ही यहाँ और वहाँ समान कार्य कर रहे हैं, इस आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है और इसलिए स्वयं सहायता समूह इस व्यवसाय को शुरू कर रहा है। यह विभिन्न सदस्यों के कौशल को संयोजित करने और अधिक आजीविका अर्जित करने के लिए उनकी गतिविधि को बढ़ाने का एक प्रयास है।

8. SWOT विश्लेषण

1) मज़बूती

- **i)** सभी सदस्य समान विचारधारा वाले हैं और सहायक दृष्टिकोण रखते हैं
- **ii)** कटिंग और टेलरिंग गतिविधि सरल है।

2) कमजोरी

i) गतिविधि के लिए स्वयं सहायता समूह नया है

ii) समूह कार्य में अनुभव की कमी

3) अवसर

i) एक समूह में कार्य करने से उच्च उत्पादन में मदद मिल सकती है।

ii) गतिविधि की अच्छी मांग

iii. पूंजीगत लागत के 50 प्रतिशत तक परियोजना अंशदान का प्रावधान।

iv) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

4. आशंका

i) कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।

ii) प्रतिस्पर्धी बाजार

9. व्यापार योजना _____ विभिन्न चरण

स्वयं सहायता समूह **सिलाई व कटाई** जय माता दी बागना, 08 सदस्यों को उनके उपकरणों के साथ एक केंद्रीय स्थान पर रखने के लिए एक कमरा किराए पर लेगा जो सभी सदस्यों के लिए आसानी से सुलभ होगा। परियोजना को शुरू करने के लिए वित्तीय प्रक्षेपण के साथ विस्तृत आवश्यकता इसके बाद शीर्षक-पूंजीगत लागत के तहत दी जाएगी:

11. ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कुछ पहल / कदम

- केंद्र पारंपरिक, गैर-पारंपरिक फैंसी, दैनिक उपयोग के आधुनिक और स्टाइलिश कपड़े की सिलाई सुनिश्चित करेगा

- महिलाओं व बच्चों के लिए फैंसी व साधारण कपडे सिलने पर जोर रहेगा

- केंद्र सभी प्रकार के वस्त्रो की मरम्मत करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि कोई ग्राहक असन्तुष्ट न जाए।

- स्वयं सहायता समूह, बाद के चरण में, रेडीमेड कपड़ों की बिक्री-खरीद में जाकर अपने व्यवसाय को बढ़ा सकता है।

‘

12. विपणन विश्लेषण

यह सबसे महत्वपूर्ण कारक है जो हमारे व्यवसाय की सफलता सुनिश्चित करेगा। कमांड क्षेत्र का विस्तृत विश्लेषण और बाजार सर्वेक्षण आवश्यक घटक है और यह हमें हमारे लक्षित ग्राहकों का अवलोकन देगा और समूह के सदस्य नवीनतम मांगों और रुझानों को जानेंगे।

13. व्यापार लक्ष्य

यह स्वयं सहायता समूह जय माता दी बागना व्यापक रूप से क्षेत्र और आसपास के गांवों में सबसे अच्छा सिलाई केंद्र बनने का लक्ष्य रखेगा। हमारा लक्ष्य कारोबार को धीरे-धीरे बढ़ाना और अगले 4-5 वर्षों के भीतर इसे लाभ कमाने वाली इकाई में बदलना होगा।

14. वित्तीय पूर्वानुमान / अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए जो स्वयं सहायता समूह संक्षेप में अर्जित करने जा रहा है, लागत लाभ विश्लेषण की आवश्यकता है प्रक्षेपित होना

15 उद्यम हेतु अनुमानित लागत

A.	**पूजी लागत**			
क्रमांक	**विवरण**	**परिमाण**	**इकाई मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	**उपकरण पेडल के साथ सिलाई मशीन**	06	7200	43200
2	सिलाई मशीन सरल /	01	4000	4000
3	**कमरे का कालीन**	01	1500	1500
4	कैंची	07	500	3500
5	दर्जी का पैमाना	07	200	1400
6	मापने का टेप	07	50	350
7	इंटरलॉकिंग मशीन	01	6000	6000
8	हैंगर	02	300	600
9	अलमारी इनबिल्ट के साथ काउंटर टेबल	01	7500	7500
10	स्टूल	07	300	2100
11	लोहे का प्रेस	02	700	1400
12	अलमारी	01	5000	5000
13	कुर्सिया	04	500	2000
	कुल पूंजी लागत (A) =			**78550/-**
B.	पुनरावर्ती लागत			

क्रमांक	विवरण	परिमाण	मूल्य	कुल राशि (रु)
1	कमरे का किराया	1	1500	1500
2	मार्किंग सामग्री चाक आदि।	L/S	L/S	200
3	विभिन्न रंगों के सिलाई धागे	03 पैकेट	300	900
4	तेल लगाने वाले पिप्पेट	06	50	300
5.	बटन विभिन्न प्रकार के	1 बॉक्स	1000	1000
6.	बुकेरेम	20 मीटर	50	1000
7.	विविध व्यय (यानी बिजली के बिल, मशीनों की मरम्मत, आदि)	L/S	L/S	1000
कुल आवर्ती लागत (B)				**5900/-**

16. आय अनुमान:

आय सृजन गतिविधि की शुरुआत में, यह अनुमान लगाया जाता है कि प्रत्येक सदस्य एक दिन में सभी तरह से एक महिला सूट की सिलाई करेगा। साधारण सूट के लिए आज की स्थिति में सिलाई का शुल्क लगभग 300 प्रति सूट है। समूह के सदस्यों के अन्य घरेलू दायित्वों को ध्यान में रखते हुए समूह के 07 सदस्य औसतन एक महीने में 170 महिलाओं के सूट की सिलाई कर सकते हैं। इसलिए समूह का कुल उत्पादन अनुमानित 300×170 = रु 51000/- मात्र है।

17.आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

क्रमांक	विवरण	व्यय / माह (रुपये)	प्रति माह आय (रुपये)
1.	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास अर्थात 78550/12x10=655 या कहें कि 655 रु।	655	
2.	कुल आवर्ती लागत	5900	
3.	कुल	**6555**	**51000**
4.	लाभ सीमा **(51000-6555)**	**44445**	
5.	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ सभी समूह के सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • लाभ के हिस्से का उपयोग आय सृजन गतिविधि में आगे निवेश के लिए किया जाएगा	

18. समूह में निधि प्रवाह:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूँजी लागत	78550	58912	19637
2	कुल आवर्ती लागत	5900	0	5900
3	प्रशिक्षण	30000	30000	
	कुल परिव्यय	**114450**	**69275**	**45175**

नोट-

- पूंजीगत लागत - कुल पूंजीगत लागत का 50% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा
- आवर्ती लागत - पूरी लागत स्वयं सहायता समूह / सामान्य हित समूह द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-परियोजना द्वारा वहन की जाने वाली कुल लागत

19. 19. धन और खरीद के स्रोत

परियोजना का समर्थन;	पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। एक लाख रुपये स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में रिवाल्विंग फंड के रूप में रखे जाएंगे। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	मशीनों की खरीद संबंधित संभागीय प्रबंधन इकाई/वन वृत्त समन्वय इकाई द्वारा समस्त औपचारिक औपचारिकताओं का पालन करते हुए की जायेगी।
स्वयं सहायता समूह का योगदान	पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

20 . प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण / कौशल उन्नयन

- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
- निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:
- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

21. ऋण चुकौती अनुसूची-

22. यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और नकद ऋण सीमा के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद नकद ऋण सीमा के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।
23. नकद ऋण सीमा में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूलधन का बैंकों को वर्ष में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
24. सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

25. निगरानी विधि –

- ग्राम वन विकास समिति की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आय सृजन गतिविधि की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आय सृजन गतिविधि की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

25. समूह के सदस्यों की तस्वीरें-

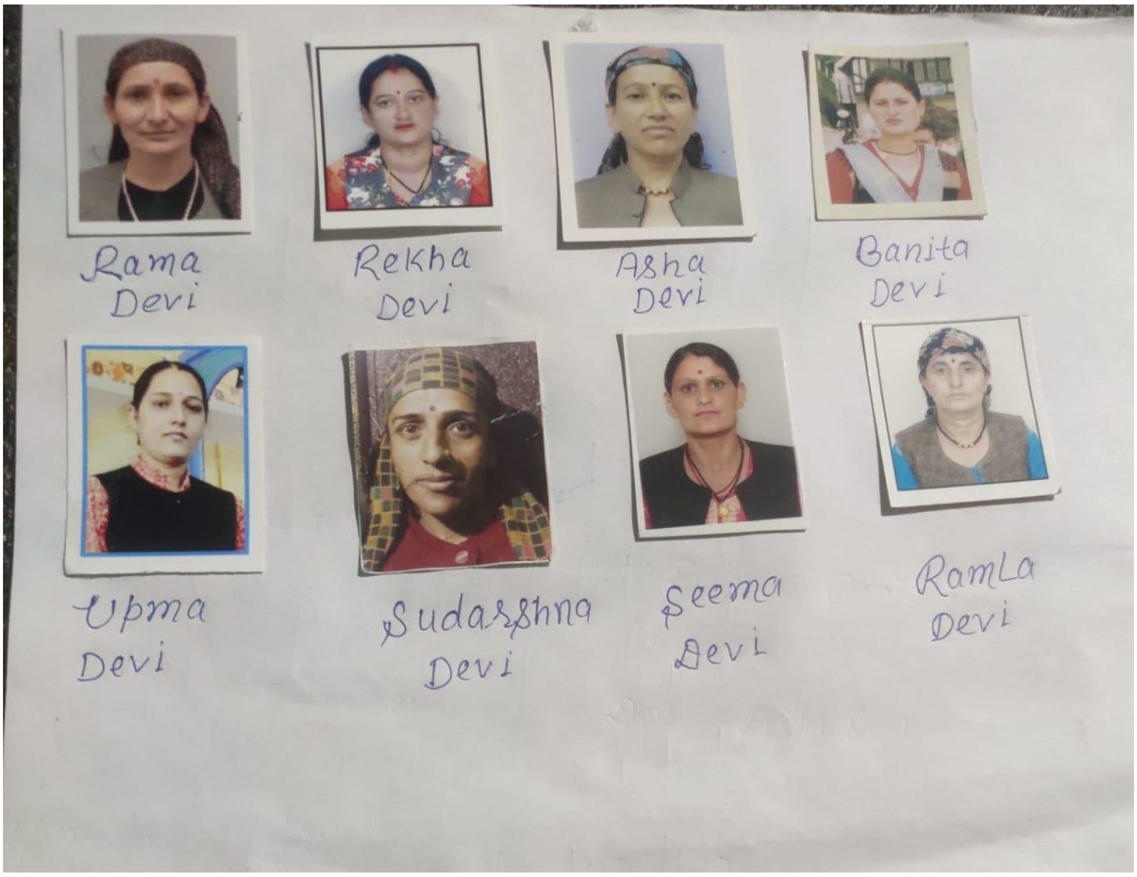

प्रमाण पत्र

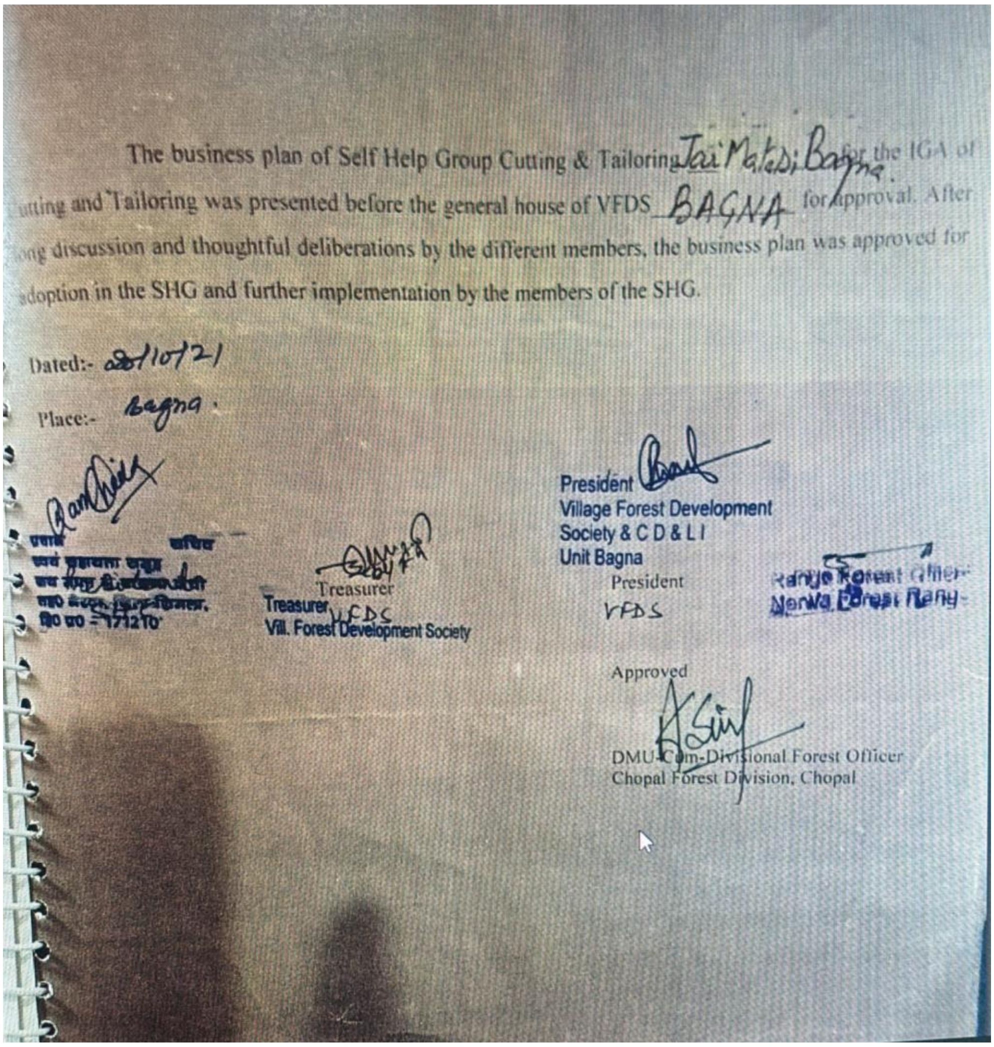

The business plan of Self Help Group Cutting & Tailoring Jai Mata Di Bagna for the IGA of Cutting and Tailoring was presented before the general house of VFDS BAGNA for approval. After long discussion and thoughtful deliberations by the different members, the business plan was approved for adoption in the SHG and further implementation by the members of the SHG.

Dated:- 28/10/21

Place:- Bagna.

Treasurer
Treasurer VFDS
Vill. Forest Development Society

President
Village Forest Development
Society & C D & L I
Unit Bagna

President
VFDS

Range Forest Officer
Nerwa Forest Range

Approved

DMU-Cum-Divisional Forest Officer
Chopal Forest Division, Chopal